श्री वसन्त साठे : नागपुर का महत्व जितना मेरे मित्र जानते है, उतना मैं भी जानता हूं, क्योंकि मैं वहां से आता हूं । इसलिए मैं इतना कह सकता हूं कि ये दोंनों सिस्टम–माइक्रोवेव और "इनसेट"–को मिलाकर नागपुर के लिए विचार किया जाएगा । खर्चे में यदि कोई दिक्कत आए और आपके प्रभाव से महाराष्ट्र सरकार उसमें कुछ योगदान करे, चूंकि नागपुर भी राजधानी है, तो इसमें मुझे कोई ऐतराज नहीं है ।

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत : अध्यक्ष महोदय . .

अध्यक्ष महोदय : निर्मला जी, इस सवाल का तो बहुत लिमिटेड रेंज है ।

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत : मैं यह पूछना चाहती हूं कि राजस्थान में कोटा एक औद्योगिक नगर है और चित्तौड़गढ़ एक ऐतिहासिक नगर है—क्या इन नगरों में दूरदर्शन की कोई व्यवस्था करने का सरकार का विचार है ?

अध्यक्ष महोदय : यह राजस्थान का सवाल नहीं है, फिर भी मिनिस्टर साहब जवाब देना चाहें तो दे सकते हैं ।

श्री वसंत साठे : राजस्थान में जयपुर में व्यवस्था है । आगे की योजना में अजमेर के लिये विचार किया जा रहा है ।

श्री सुन्दर सिंह : स्पीकर साहब . . . .

अध्यक्ष महोदय : चौधरी साहब, इस-दे-विच पंजाब दी गल नहीं निकलती है ।

श्री सुन्दर सिंह : टी०वी० से पंजाब का सत्यानाश हो रहा है, बच्चे पढ़ नहीं सकते हैं . .. . . .

अध्यक्ष महोदय : तुसी-वह-खाओ ।

This concern Nagpur.

What is there more to ask about it? Let us proceed to the next question.

Gujarat State Fertilizer Company

+

*839. SHRI AMARSINH RATHAWA:

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Gujarat State Fertilizer Company is facing shut-down;

(b) if so, what are the main reasons; and

(c) what measures are being taken to save it from closure?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) The sale of caprolactam, one of the products produced by Gujarat State Fertiliser Company has been poor during the last few months.

(b) The selling price of caprolactam of GSFC is higher than the landed price of imported caprolactam. Further more, the quality of caprolactam produced by GSFC is inferior and unacceptable for some of the industrial uses.

(c) GSFC has been advised to reduce their selling price to a level which will still provide it a fair return on capital. At the reduced prices the user industry will prefer GSFC material and the benefit of lower price will ultimately be available to the consumer.

श्री अमर सिंह राठवा : माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि वहां का कैप्रोलक्टम घटिया है मैं जानना चाहता हूं कि इस का कारण क्या है ? 1972 में सरकार इस कम्पनी में 51 प्रतिशत शेयर रखना चाहती थी और आज भी रखना चाहती है–मैं जानना चाहता हूं कि अगर 51 प्रतिशत शेयर नहीं रखा हैं तो उस का क्या कारण है ?

श्री वीरेन्द्र पाटिल : इस में गवर्नमेंट का भी शेयर है और प्राइवेट कम्पनियों का भी शेयर है, इसलिये शेयर न रखने का सवाल ही पैदा नही होता है ।

श्री अमर सिंह राठवा : गवर्नमेंट का शेयर तो है, लेकिन 51 परसेन्ट नहीं रखा है–ऐसा मेरा ख्याल है। मेरा प्रश्न है––इस कम्पनी के जो चेयरमैन हैं, वे गुजरात के सब से बड़े उद्योगपति रहे हैं, उन को बदला नहीं जा रहा है–इस का क्या कारण है? चूंकि एक उद्योगपति इस का चेयरमैन है, इसलिए इस में जरूर गड़बड़ होती होगी।

श्री वीरेन्द्र पाटिल : चेयरमन कौन होगा, मैनेजिंग डाइरेक्टर कौन होगा––जहां तक मुझे मालूम है, इन को गवर्नमेंट एप्वाइंट करती है।

जो चेयरमन अच्छी तरह से काम नहीं कर रहे हैं या जो मैनेजिंग डाइरेक्टर अच्छी तरह से काम नहीं कर रहे हैं, उन को निकालने का पूरा अधिकार गवर्नमेंट को है लेकिन सवाल यहां पर यह नहीं है। सवाल तो माननीय सदस्य ने यह पूछा है कि गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर कम्पनी जो केप्रोलेक्टम प्रोड्यूस कर रही है, उस के लिए मार्केट नहीं है, 5 हजार टन केप्रोलेक्टम उन के यहां पड़ा हुआ है और उस को कोई लेने वाला नहीं है। इसलिए यह क्राइसिस वहां पैदा हुआ है। उन्होंने जो प्रश्न पूछा था, उस का जवाब मैंने दे दिया है।

श्री बालासाहिब विखे पाटिल : अभी मिनिस्टर साहब ने चेयरमन और मनेजिंग डाइरेक्टर के बारे में बताया कि अगर वे ठीक काम नहीं करते हैं तो उन को निकाला जा सकता है लेकिन मंत्री जी ने अपने रेप्लाई में बताया है कि इस कम्पनी का जो केप्रोलेक्टम है, वह ऊंची क्वालिटी का नहीं है और जो आयातित केप्रोलेक्टम की लैंडड कास्ट है, उस से वह महगा है। तो फिर जो चेयरमैन और मैनेजिंग डाइरेक्टर इन्होंने एप्वाइंट किये हैं, वे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। दूसरी बात अपने उत्तर में इन्होंने यह बताई है कि कास्ट को रिड्यूस करने के लिये इन्होंने कहा था। मैं कहना चाहता हूं कि जो कैपिटल इस कम्पनी में एम्प्लाय किया गया है, उस का ठीक रिटर्न मिले और जो चेयरमैन और मैनेजिंग डाइरेक्टर गवर्नमेंट ने एपाइन्ट किये हैं, वे डिस्क्रिशनरी प्राइस तय कर देते हैं जिस की वजह से यह जो स्टेट अन्डरटेकिंग है, इस में यह सब घाटा होता है तो इस के माइने यह होते हैं कि आम लोगों के विश्वास के पात्र नहीं हो । मै यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बारे कोई विचार नही कर रही है, जिस ढंग से स्टेट अंडरटेकिंग चलनी चाहिये, उन को वैसे चलाने के लिए क्या आप कुछ सोच रहे हैं या नहीं।

श्री वीरेन्द्र पाटिल : माननीय सदस्य का जो यह अभिप्राय है कि स्टेट फर्टिलाइजर कम्पनी घाटे में चल रही है, यह बात नहीं है। मुझे देश र जो केप्रोलेक्टम पैदा होता है, गुजरात स्टेट फर्टि जर कम्पनी में उस का काफी मात्रा में प्रोडक्शन होता है और उस की कैपेसिटी 20 हजार टन केप्रोलेक्टम पैदा करने की है और वह काफी मुनाफा ती है उस को काफी प्रोफिट हो रहा है। 1977 .लेक्टम की कीमत 15600 रुपये टन थी जिस को बढ़ा कर उन्होंने 1980 में 26 हजार रुपये पर टन कर दिया और इस कीमत को बढ़ाने से कन्ज्यूमर्स सफर कर रहे थे। हमने उन को कहा कि इतना प्रोफिट मत कमाओ और इस में आप कुछ कमी कीजिए। इस तरह से आप देखेंगे कि यहां पर नुकसान का सवाल नहीं है लेकिन जब उन्हों ने प्रोफिट बहुत ज्यादा बनाना शुरू कर दिया और हम ने उन से कहा कि प्राफिट कम करो, अपनी प्राइस कम करो लेकिन प्राइस कम करने के लिए वे तैयार नहीं हुए जब ऐसी बात हुई तो हम ने इम्पोर्ट ड्यूटी को कम कर दिया और एक्साइज ड्यूटी को बढ़ा दिया। अब उन का माल, केप्रोलेक्टम बचा पड़ा है और बिक नहीं रहा है और इस वजह से उन के सामने मुश्किल आ रही है।

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL: The only thing is, the Gvernment policy is import landed cost is much less than their product in India. Then all the material will be imported from out side the country.

MR. SPEAKER: No. Shri Motibhai Chaudhary.

श्री मोती भाई आर० चौधरी : अध्यक्ष महोदय प्रश्न यह रखा गया है कि क्या सरकार को पता है कि गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर कम्पनी के बन्द होने की नौबत आ रही है। मै जानना चाहता हूं कि इस कम्पनी ने पिछले 3 सालों में कितना मुनाफा कमाया है, कितना डिवीडेंड दिया है और मार्केट में उस के शेयरों की कीमत क्या है और उस के बन्द होने की जो नौबत आ रही है, उस की वजह क्या है?

श्री वीरेन्द्र पाटिल : आप ने जो कम्पनी के बन्द होने का सवाल पूछा है उस के बारे में मुझे यह कहना है कि फर्टिलाइजर कम्पनी के बन्द होने का सवाल नहीं है। वहां पर फर्टिलाइजर तो प्रोड्यूस होता है लेकिन जो केप्रोलेक्टम का यूनिट है उस यूनिट की हालत यह हो गई है कि उन लोगों के भाव बहुत ज्यादा बढ़ाने की वजह से उस की कोई मांग नहीं है। इसलिए 5 हजार टन केप्रोलेक्टम वैसे का वैसा ही पड़ा हुआ है। उस को लेने वाला कोई नहीं है यह हालत है लेकिन फर्टिलाइजर कम्पनी ठीक तरह से चल रही है।

अध्यक्ष महोदय: नेक्स्ट क्वेश्चयन। श्री राम विलास पासवान।

"आक्रोश" फिल्म को "ए" प्रमाण-पत्र दिया जाना

***840. श्री राम विलास पासवान :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सेंसर बोर्ड द्वारा "आक्रोश" फिल्म को "ए" (केवल व्यस्कों के लिए) प्रमाण-पत्र दिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो उस के क्या कारण हैं?